



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W2KG210265	ImageGroup:	I3CN22207
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	རྟགས་ཀྱི་འབྲུག་པའི་དཀར་གནད་སློང་པོ་རབ་གསལ་སོགས། rtags kyi 'jug pa'i dka' gnad snying po rab gsal sogs/
Author:	པད་ཌོ་རྗེ། pad+ma rdo rje/
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	sa skya/
Publisher:	sa skya par khang /
Date:	[1930?]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2020

卷之五

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

11

135
[Text in Tibetan script, likely a manuscript page from a Buddhist text. The text is written in a cursive style and is contained within a rectangular frame.]

長壽寺

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 अथ श्रीमद्भगवत्परांशुसूक्तम् ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

五

[illegible]

1997



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अर्जुनसंवादे श्रीकृष्णस्य वचनम् ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ३ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ५ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ७ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ ९ ॥
 श्रीकृष्ण उवाच ॥ अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ पाण्डुपुत्रोऽहं पाण्डुपुत्रोऽहं ॥ १० ॥

卷之四

[illegible]

卷之四

[illegible]

五

13

4

[illegible]

卷之四

[illegible]

10

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

255

[illegible]

[illegible]

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[Faint handwritten notes, possibly bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

५७। इमं स एव सा दगा रसा वदन्ती तर्पे न पयसः अस्ति २ प्रोक्तम् । सर्वं पुनरुद्भवमेव यतो यदेतत्पुनरावृत्तम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

張其成

卷之四

[illegible]

卷之五

[illegible]



Expenditure on M.A.T.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ॥ १ ॥

[illegible]



सुखदुःख

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

25

[illegible]

[illegible]

MEERDELL Dijksterhuis

[illegible]

五、

[illegible]

[illegible]

25

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]



東坡先生集

[illegible]

卷之四

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

457147

[illegible]

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100.

2011-11-23

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

35

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Indic, spanning the main body of the page. The text is arranged in approximately seven horizontal lines, showing signs of age and wear.

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...
...
...

...
...
...
...
...
...
...
...
...

卷之六

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuous passage of text from an ancient manuscript.]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

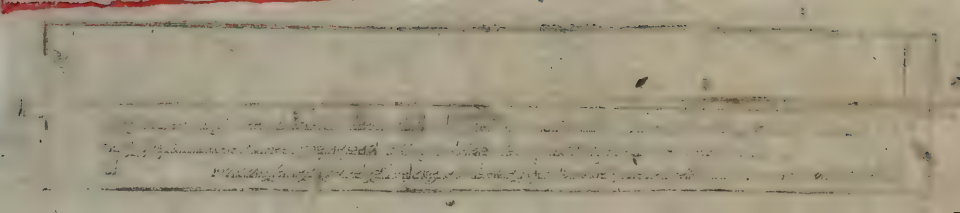
9

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवाः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीवाम् ।

[illegible]

卷之五



[illegible]

४०। मङ्गलमस्तु नमो भगवते वासुदेवाय

सुप्रसन्न

५००। ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~ ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~ ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~
~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~ ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~ ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~
अथ सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः। ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~ ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~
इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः। ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~ ~~इति सुप्रसन्नः पदं सुप्रसन्नः~~

सुप्रसन्नः
सुप्रसन्नः
सुप्रसन्नः

大德寺藏

1001

[illegible]

卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीमद्भागवतसूक्तम् ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

五、

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनविषादोऽध्यायः ॥

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in Devanagari script, likely a religious or philosophical manuscript. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines within a rectangular frame. The script is cursive and characteristic of older Indian manuscripts. The text appears to be a form of Sanskrit or a related classical language, possibly discussing concepts related to the soul, karma, or the nature of reality. The lines are closely spaced, and the ink is dark, though some fading is visible at the edges of the page.

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之五

607

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२५५५

[The following transcription is based on the visual representation of Tibetan script provided in the image above.]

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Main body of handwritten text in Devanagari script, enclosed within a rectangular border. The text is densely written and appears to be a continuous passage.

Handwritten text located below the main body, possibly a signature or a concluding note.

सुखदुःखसंज्ञा

ॐ । दण्डमकुर्वन्वायिष्यामि । इति पञ्चमः सर्गः ॥

卷之四

[illegible]

卷之四

[illegible]

2000

[illegible]



卷之五

[illegible]

4545

[illegible]

卷之四

[illegible]

एकदशमः

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

২৬৫

[illegible]

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten marginal notes on the left side of the page.

Handwritten text in a script, likely Tibetan, filling the main body of the page. The text is arranged in horizontal lines across the page.

卷之四

[illegible]

[illegible]

W. A. R. 1871

[illegible]

卷之六

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in the right margin, likely a commentary or continuation of the main text.

Main body of handwritten text in a historical script, possibly Tibetan or Sanskrit, arranged in horizontal lines within a rectangular frame.

Handwritten text in the left margin, possibly a title or a reference note.

五

[illegible]

卷之四

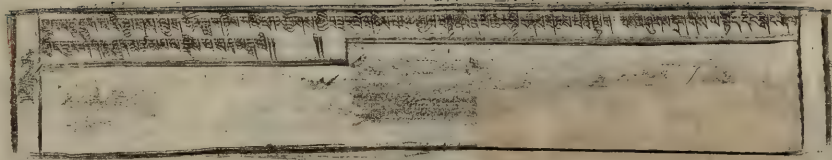
[illegible]

[illegible]

卷一百一十五

999

[illegible]



Handwritten text in a small box on the right side of the page.

Handwritten text in the main central area of the page, consisting of several lines of script.

Handwritten text in a small box on the left side of the page.

[illegible]

卷之四

[illegible]

21

23

[illegible][illegible][illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । सुप्रसन्नचित्तोऽपि सदा भक्तियोगेन संयुज्यते ॥

[illegible]

21

卷之四

[illegible]



991

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

王

[illegible]

[illegible]

22

卷之四

[illegible]

人

51

६५५

[illegible]

१५५ १९५५

[illegible]

१५३५

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

10

पदार्थः

[illegible]

सपत्नीसुदृष्ट

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

五

25/10/2019

22

सर्वप्रथम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1871

卷之四

[illegible]



卷之四

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

12

है। १३। १४। १५। १६। १७। १८। १९। २०। २१। २२। २३। २४। २५। २६। २७। २८। २९। ३०। ३१। ३२। ३३। ३४। ३५। ३६। ३७। ३८। ३९। ४०। ४१। ४२। ४३। ४४। ४५। ४६। ४७। ४८। ४९। ५०। ५१। ५२। ५३। ५४। ५५। ५६। ५७। ५८। ५९। ६०। ६१। ६२। ६३। ६४। ६५। ६६। ६७। ६८। ६९। ७०। ७१। ७२। ७३। ७४। ७५। ७६। ७७। ७८। ७९। ८०। ८१। ८२। ८३। ८४। ८५। ८६। ८७। ८८। ८९। ९०। ९१। ९२। ९३। ९४। ९५। ९६। ९७। ९८। ९९। १००।

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

221

[illegible]

22

[illegible]

[illegible]

འཕགས་པ་ལྟར་

འགའ་ཤེས་གཙང་བྱེད་མ་ཤེས། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །འགའ་ཤེས་ཀྱི་ལྟ་བུ་ལ་འཕྲུག་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་
སྒྲུ་ལྟ་བུ་ལ་འཕྲུག་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་།
ལ་ཤིང་ལ་། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་།
ནོ། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་།
ལྟ་བུ་ལ་འཕྲུག་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་།
ལྟ་བུ་ལ་འཕྲུག་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་། །ཤིང་ལ་ལའ་ཕུ་ཅེས་གསུངས་པ་ཤིང་། །ཤིང་ལ་ཤོ་ལ་ཚོད་ལ་སྒྲུ་སྒྲུ་།

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

159

[illegible]

[illegible]

11

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

85

29

[illegible]

1892

4

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Tibetan, arranged in approximately 10 horizontal lines across the main body of the page.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ १ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ २ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ३ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ४ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ५ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ६ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ७ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ८ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ९ ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १० ॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

OK

5

यत्किं

張

THEY

355

सुधा

[illegible]

卷之四

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal notes in Devanagari script, likely providing commentary or corrections to the main text.

... ॥ ५५ ॥ ... ॥
... ॥ ५६ ॥ ... ॥
... ॥ ५७ ॥ ... ॥
... ॥ ५८ ॥ ... ॥
... ॥ ५९ ॥ ... ॥
... ॥ ६० ॥ ... ॥
... ॥ ६१ ॥ ... ॥
... ॥ ६२ ॥ ... ॥
... ॥ ६३ ॥ ... ॥
... ॥ ६४ ॥ ... ॥
... ॥ ६५ ॥ ... ॥
... ॥ ६६ ॥ ... ॥
... ॥ ६७ ॥ ... ॥
... ॥ ६८ ॥ ... ॥
... ॥ ६९ ॥ ... ॥
... ॥ ७० ॥ ... ॥
... ॥ ७१ ॥ ... ॥
... ॥ ७२ ॥ ... ॥
... ॥ ७३ ॥ ... ॥
... ॥ ७४ ॥ ... ॥
... ॥ ७५ ॥ ... ॥
... ॥ ७६ ॥ ... ॥
... ॥ ७७ ॥ ... ॥
... ॥ ७८ ॥ ... ॥
... ॥ ७९ ॥ ... ॥
... ॥ ८० ॥ ... ॥
... ॥ ८१ ॥ ... ॥
... ॥ ८२ ॥ ... ॥
... ॥ ८३ ॥ ... ॥
... ॥ ८४ ॥ ... ॥
... ॥ ८५ ॥ ... ॥
... ॥ ८६ ॥ ... ॥
... ॥ ८७ ॥ ... ॥
... ॥ ८८ ॥ ... ॥
... ॥ ८९ ॥ ... ॥
... ॥ ९० ॥ ... ॥
... ॥ ९१ ॥ ... ॥
... ॥ ९२ ॥ ... ॥
... ॥ ९३ ॥ ... ॥
... ॥ ९४ ॥ ... ॥
... ॥ ९५ ॥ ... ॥
... ॥ ९६ ॥ ... ॥
... ॥ ९७ ॥ ... ॥
... ॥ ९८ ॥ ... ॥
... ॥ ९९ ॥ ... ॥
... ॥ १०० ॥ ... ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

6

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]



331

|མེད་དཔལ་ཡུང་། བཟོད་པ་འཛིན་པའི་བརྩམས་ཆས་ཀྱི་ཐུགས་རྒྱལ་ལོ། །ཤུལ་པ་ཡོངས་ཁུལ་གྲོ་བཏུག་པའི་ཕྱི་ལོ་

पदेनानां चोक्तं न पदम् । एतेनैव चोक्तं न पदम् । एतेनैव चोक्तं न पदम् । एतेनैव चोक्तं न पदम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 श्रीकृष्णार्चनम् ।
 कृष्णं ध्यायेत्पुण्यं त्रैलोक्ये तथा ।
 भक्त्या चित्तं लगायन्तुं शक्नुते साधवे ॥

འདྲ་བརྒྱུན་པ་སྤྱི་བོ། རྣམས་ཀྱི་ཕྱི་ཐུག་ན། ཞེས་བཟོ་དང་། དེས་བ་ཁྱུ་ཡིན་ན། བྱ་བ་བཅུད་ཏུ་ལོག་ན། ཉེས་ཐུག་ཙུང་ལོག་པ་མཇུག་པར་མཛད་པར་

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमः शिवाय । नमः श्रीगणेशाय । नमः ।

1870 1871 1872 1873 1874 1875 1876 1877 1878 1879 1880 1881 1882 1883 1884 1885 1886 1887 1888 1889 1890 1891 1892 1893 1894 1895 1896 1897 1898 1899 1900 1901 1902 1903 1904 1905 1906 1907 1908 1909 1910 1911 1912 1913 1914 1915 1916 1917 1918 1919 1920 1921 1922 1923 1924 1925 1926 1927 1928 1929 1930 1931 1932 1933 1934 1935 1936 1937 1938 1939 1940 1941 1942 1943 1944 1945 1946 1947 1948 1949 1950 1951 1952 1953 1954 1955 1956 1957 1958 1959 1960 1961 1962 1963 1964 1965 1966 1967 1968 1969 1970 1971 1972 1973 1974 1975 1976 1977 1978 1979 1980 1981 1982 1983 1984 1985 1986 1987 1988 1989 1990 1991 1992 1993 1994 1995 1996 1997 1998 1999 2000 2001 2002 2003 2004 2005 2006 2007 2008 2009 2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030 2031 2032 2033 2034 2035 2036 2037 2038 2039 2040 2041 2042 2043 2044 2045 2046 2047 2048 2049 2050 2051 2052 2053 2054 2055 2056 2057 2058 2059 2060 2061 2062 2063 2064 2065 2066 2067 2068 2069 2070 2071 2072 2073 2074 2075 2076 2077 2078 2079 2080 2081 2082 2083 2084 2085 2086 2087 2088 2089 2090 2091 2092 2093 2094 2095 2096 2097 2098 2099 2100 2101 2102 2103 2104 2105 2106 2107 2108 2109 2110 2111 2112 2113 2114 2115 2116 2117 2118 2119 2120 2121 2122 2123 2124 2125 2126 2127 2128 2129 2130 2131 2132 2133 2134 2135 2136 2137 2138 2139 2140 2141 2142 2143 2144 2145 2146 2147 2148 2149 2150 2151 2152 2153 2154 2155 2156 2157 2158 2159 2160 2161 2162 2163 2164 2165 2166 2167 2168 2169 2170 2171 2172 2173 2174 2175 2176 2177 2178 2179 2180 2181 2182 2183 2184 2185 2186 2187 2188 2189 2190 2191 2192 2193 2194 2195 2196 2197 2198 2199 2200 2201 2202 2203 2204 2205 2206 2207 2208 2209 2210 2211 2212 2213 2214 2215 2216 2217 2218 2219 2220 2221 2222 2223 2224 2225 2226 2227 2228 2229 2230 2231 2232 2233 2234 2235 2236 2237 2238 2239 2240 2241 2242 2243 2244 2245 2246 2247 2248 2249 2250 2251 2252 2253 2254 2255 2256 2257 2258 2259 2260 2261 2262 2263 2264 2265 2266 2267 2268 2269 2270 2271 2272 2273 2274 2275 2276 2277 2278 2279 2280 2281 2282 2283 2284 2285 2286 2287 2288 2289 2290 2291 2292 2293 2294 2295 2296 2297 2298 2299 2300 2301 2302 2303 2304 2305 2306 2307 2308 2309 2310 2311 2312 2313 2314 2315 2316 2317 2318 2319 2320 2321 2322 2323 2324 2325 2326 2327 2328 2329 2330 2331 2332 2333 2334 2335 2336 2337 2338 2339 2340 2341 2342 2343 2344 2345 2346 2347 2348 2349 2350 2351 2352 2353 2354 2355 2356 2357 2358 2359 2360 2361 2362 2363 2364 2365 2366 2367 2368 2369 2370 2371 2372 2373 2374 2375 2376 2377 2378 2379 2380 2381 2382 2383 2384 2385 2386 2387 2388 2389 2390 2391 2392 2393 2394 2395 2396 2397 2398 2399 2400 2401 2402 2403 2404 2405 2406 2407 2408 2409 2410 2411 2412 2413 2414 2415 2416 2417 2418 2419 2420 2421 2422 2423 2424 2425 2426 2427 2428 2429 2430 2431 2432 2433 2434 2435 2436 2437 2438 2439 2440 2441 2442 2443 2444 2445 2446 2447 2448 2449 2450 2451 2452 2453 2454 2455 2456 2457 2458 2459 2460 2461 2462 2463 2464 2465 2466 2467 2468 2469 2470 2471 2472 2473 2474 2475 2476 2477 2478 2479 2480 2481 2482 2483 2484 2485 2486 2487 2488 2489 2490 2491 2492 2493 2494 2495 2496 2497 2498 2499 2500 2501 2502 2503 2504 2505 2506 2507 2508 2509 2510 2511 2512 2513 2514 2515 2516 2517 2518 2519 2520 2521 2522 2523 2524 2525 2526 2527 2528 2529 2530 2531 2532 2533 2534 2535 2536 2537 2538 2539 2540 2541 2542 2543 2544 2545 2546 2547 2548 2549 2550 2551 2552 2553 2554 2555 2556 2557 2558 2559 2560 2561 2562 2563 2564 2565 2566 2567 2568 2569 2570 2571 2572 2573 2574 2575 2576 2577 2578 2579 2580 2581 2582 2583 2584 2585 2586 2587 2588 2589 2590 2591 2592 2593 2594 2595 2596 2597 2598 2599 2600 2601 2602 2603 2604 2605 2606 2607 2608 2609 2610 2611 2612 2613 2614 2615 2616 2617 2618 2619 2620 2621 2622 2623 2624 2625 2626 2627 2628 2629 2630 2631 2632 2633 2634 2635 2636 2637 2638 2639 2640 2641 2642 2643 2644 2645 2646 2647 2648 2649 2650 2651 2652 2653 2654 2655 2656 2657 2658 2659 2660 2661 2662 2663 2664 2665 2666 2667 2668 2669 2670 2671 2672 2673 2674 2675 2676 2677 2678 2679 2680 2681 2682 2683 2684 2685 2686 2687 2688

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

25

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीमद्भगवद्गीतासूपनिषत्सु ॥ अर्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वद ॥
 भवति कुरुक्षेत्रे भद्रं वा दुर्योधनस्य ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 समवेता संजय ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वद ॥
 भवति कुरुक्षेत्रे भद्रं वा दुर्योधनस्य ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 समवेता संजय ॥ १ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं वद ॥
 भवति कुरुक्षेत्रे भद्रं वा दुर्योधनस्य ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे ॥
 समवेता संजय ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5

10
[Text in Indic script, likely Devanagari, consisting of approximately 10 lines of handwritten text.]

[illegible]



9

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

1001

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

برای

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
अहं योयं संजय ॥ १ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ४ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ५ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ६ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ७ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ८ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ९ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १० ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ११ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १२ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १३ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १४ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १५ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १६ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १७ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १८ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ १९ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २० ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २१ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २२ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २३ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २४ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २५ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २६ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २७ ॥
पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २८ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ २९ ॥ पाण्डवस्य धर्मो रक्षति रक्षितः ॥ ३० ॥

[illegible]

[illegible]

Handwritten text in a script, likely Urdu or Persian, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is written in dark ink on aged, slightly discolored paper. The script is cursive and dense, with some variations in line spacing. The first line appears to start with a large, ornate initial. The text continues across the page, with some lines showing more frequent use of diacritics or specific characters. The overall appearance is that of a historical manuscript or a formal letter.

2000

[illegible]

卷之五

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise.]

23

22

[illegible]

॥ अथ कुरुक्षेत्रे दशार्जुनस्य ॥ ॥ अथ कुरुक्षेत्रे दशार्जुनस्य ॥

[Faint handwritten Tibetan script]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

[illegible]

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

[illegible]

[illegible]

三



2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

94
B
95
B II
96
B

[illegible]

[illegible]

Handwritten marginal note on the left side of the page.

Handwritten text in a historical script, likely Indic, spanning the main body of the page. The text is arranged in approximately six horizontal lines.

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

250

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्चनम् ॥
 कृष्णं श्यामं वीर्यवान्महाबलान्वितम् ।
 सारथीपतिं चतुरङ्गदक्षिणधामजितम् ।
 दशभुजं धनुर्धरां महाबाहूनाम्बरधरम् ।
 अर्जुनस्य हृदि स्थितं तस्मात्प्रसादात्तथा ॥
 यद्भवत्यर्थसंग्रहेऽत्रैवं प्रवक्ष्यामीह तेन ॥
 कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सोः पांडवकौरवौ ॥
 संजय उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पांडवानीकान्समेतान् ॥
 बभूवुर्धर्मकृतं संप्रपन्नः महाबाहो नरः ॥
 १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

1201
 1202
 1203
 1204
 1205
 1206
 1207
 1208
 1209
 1210
 1211
 1212
 1213
 1214
 1215
 1216
 1217
 1218
 1219
 1220
 1221
 1222
 1223
 1224
 1225
 1226
 1227
 1228
 1229
 1230
 1231
 1232
 1233
 1234
 1235
 1236
 1237
 1238
 1239
 1240
 1241
 1242
 1243
 1244
 1245
 1246
 1247
 1248
 1249
 1250
 1251
 1252
 1253
 1254
 1255
 1256
 1257
 1258
 1259
 1260
 1261
 1262
 1263
 1264
 1265
 1266
 1267
 1268
 1269
 1270
 1271
 1272
 1273
 1274
 1275
 1276
 1277
 1278
 1279
 1280
 1281
 1282
 1283
 1284
 1285
 1286
 1287
 1288
 1289
 1290
 1291
 1292
 1293
 1294
 1295
 1296
 1297
 1298
 1299
 1300
 1301
 1302
 1303
 1304
 1305
 1306
 1307
 1308
 1309
 1310
 1311
 1312
 1313
 1314
 1315
 1316
 1317
 1318
 1319
 1320
 1321
 1322
 1323
 1324
 1325
 1326
 1327
 1328
 1329
 1330
 1331
 1332
 1333
 1334
 1335
 1336
 1337
 1338
 1339
 1340
 1341
 1342
 1343
 1344
 1345
 1346
 1347
 1348
 1349
 1350
 1351
 1352
 1353
 1354
 1355
 1356
 1357
 1358
 1359
 1360
 1361
 1362
 1363
 1364
 1365
 1366
 1367
 1368
 1369
 1370
 1371
 1372
 1373
 1374
 1375
 1376
 1377
 1378
 1379
 1380
 1381
 1382
 1383
 1384
 1385
 1386
 1387
 1388
 1389
 1390
 1391
 1392
 1393
 1394
 1395
 1396
 1397
 1398
 1399
 1400
 1401
 1402
 1403
 1404
 1405
 1406
 1407
 1408
 1409
 1410
 1411
 1412
 1413
 1414
 1415
 1416
 1417
 1418
 1419
 1420
 1421
 1422
 1423
 1424
 1425
 1426
 1427
 1428
 1429
 1430
 1431
 1432
 1433
 1434
 1435
 1436
 1437
 1438
 1439
 1440
 1441
 1442
 1443
 1444
 1445
 1446
 1447
 1448
 1449
 1450
 1451
 1452
 1453
 1454
 1455
 1456
 1457
 1458
 1459
 1460
 1461
 1462
 1463
 1464
 1465
 1466
 1467
 1468
 1469
 1470
 1471
 1472
 1473
 1474
 1475
 1476
 1477
 1478
 1479
 1480
 1481
 1482
 1483
 1484
 1485
 1486
 1487
 1488
 1489
 1490
 1491
 1492
 1493
 1494
 1495
 1496
 1497
 1498
 1499
 1500
 1501
 1502
 1503
 1504
 1505
 1506
 1507
 1508
 1509
 1510
 1511
 1512
 1513
 1514
 1515
 1516
 1517
 1518
 1519
 1520
 1521
 1522
 1523
 1524
 1525
 1526
 1527
 1528
 1529
 1530
 1531
 1532
 1533
 1534
 1535
 1536
 1537
 1538
 1539
 1540
 1541
 1542
 1543
 1544
 1545
 1546
 1547
 1548
 1549
 1550
 1551
 1552
 1553
 1554
 1555
 1556
 1557
 1558
 1559
 1560
 1561
 1562
 1563
 1564
 1565
 1566
 1567
 1568
 1569
 1570
 1571
 1572
 1573
 1574
 1575
 1576
 1577
 1578
 1579
 1580
 1581
 1582
 1583
 1584
 1585
 1586
 1587
 1588
 1589
 1590
 1591
 1592
 1593
 1594
 1595
 1596
 1597
 1598
 1599
 1600
 1601
 1602
 1603
 1604
 1605
 1606
 1607
 1608
 1609
 1610
 1611
 1612
 1613
 1614
 1615
 1616
 1617
 1618
 1619
 1620
 1621
 1622
 1623
 1624
 1625
 1626
 1627
 1628
 1629
 1630
 1631
 1632
 1633
 1634
 1635
 1636
 1637
 1638
 1639
 1640
 1641
 1642
 1643
 1644
 1645
 1646
 1647
 1648
 1649
 1650
 1651
 1652
 1653
 1654
 1655

1877

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

| | | | | |
|--|--|-------------------------|--|--|
| | | ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ | | |
|--|--|-------------------------|--|--|

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

五

699

[illegible]

卷之四

पञ्चमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । अहं यो दधानः पाण्डवस्य द्रुपदपुत्रः । अथ कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः । अहं यो दधानः पाण्डवस्य द्रुपदपुत्रः ।

五

[illegible]

金

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

५०
 ५१
 ५२
 ५३
 ५४
 ५५
 ५६
 ५७
 ५८
 ५९
 ६०

[illegible]

ॐ । ॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

1578

[illegible]

卷之四

[illegible]

五

[illegible]

[illegible]

2

25/11/2011

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धं श्रुत्वा धर्मराजः ।
 आसीत्तदा दुर्योधन उवाच ॥ १ ॥ अहम्भक्त्या युद्धं करोमि ते ह
 पाण्डव ॥ त्वया मेघनाद ॥ इति वक्त्वा प्रह्लादं पश्यन् ॥ २ ॥
 अत्रैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ ३ ॥ अथैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ ४ ॥
 अथैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ ५ ॥ अथैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ ६ ॥
 अथैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ ७ ॥ अथैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ ८ ॥
 अथैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ ९ ॥ अथैकं दृष्ट्वा संशयान्तरात् ॥ १० ॥

五

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ २ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ३ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ४ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ५ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ६ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ७ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ८ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ ९ ॥
 वासुदेवाय नमः ॥ १० ॥

五

[illegible]

[illegible]

五、

[illegible]

卷之六

21

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

五

[illegible]

पञ्चमः प्रश्नः ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥ ५ ॥

॥ ५ ॥

॥ देहि स्वा ॥ हुर सोत्मा स्व दद देहि स्वा ॥ पञ्चमोद सोद सोद सोद सोद सोद ॥ हुर सोत्मा स्व दद देहि स्वा ॥ पञ्चमोद सोद सोद सोद सोद सोद ॥ देहि स्वा ॥ हुर सोत्मा स्व दद देहि स्वा ॥ पञ्चमोद सोद सोद सोद सोद सोद ॥ देहि स्वा ॥ हुर सोत्मा स्व दद देहि स्वा ॥ पञ्चमोद सोद सोद सोद सोद सोद ॥

